मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 122, मुंबई, मंगलवार, 14 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर
ड्रग के आरोप में गिरफ्तार

सिद्धांत की मेडिकल रिपोर्ट आई पॉजिटिव

मुंबई हलचल / संवाददाता

बेंगलुरू। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई और एक्टर सिद्धांत कपूर को बेंगलुरु पुलिस ने हिरासत में लिया है। खबर के अनुसार, सिद्धांत पर पार्टी में ड्रग्स लेने का आरोप है। बेंगलुरु पुलिस ने एमजी रोड स्थित होटल पार्क के पब में चल रही रेव पार्टी में रेड मारी थी। इस पार्टी में सिद्धांत को बतौर डीजे बुलाया गया था। पार्टी में सिद्धांत समेत 6 लोग ड्रग्स टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सुशांत केस में श्रद्धा से एनसीबी कर चुकी है पूछताछः सुशांत सिंह राजपूत ड्रग्स केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की पूछताछ लिस्ट में श्रद्धा कपूर भी शामिल थीं। हालांकि, उनके खिलाफ कुछ ठोस साबित नहीं हो पाया। श्रद्धा कपूर, सारा अली खान और दीपिका पादुकोण से सितंबर 2020 में व्हाट्सएप चैट में नाम आने पर पूछताछ की गई थी।

राजस्थान में फिर भड़का
आरक्षण आंदोलन

भरतपुर में इंटरनेट बंद, नेशनल हाईवे- 21 दो दिन से जाम, हाथों में लाठियां लेकर बैठे लोग

भरतपुर। राजस्थान में एक बार फिर आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन शुरू हो गया है। अब माली, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज ने अलग से 12% आरक्षण देने की मांग की है। समाज के सैकड़ों लोगों ने हाथों में लाठियां लेकर भरतपुर में नेशनल हाईवे-21 (आगरा-जयपुर) को जाम कर दिया। 24 घंटे से हाईवे जाम है। इधर, भरतपुर संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने सोमवार सुबह 11 बजे से 24 घंटे के लिए चार कस्बों में इंटरनेट बंद कर दिया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

भ्रष्ट मनपा बी/वार्ड में
अभी भी धड़ल्ले से चालू है अवैध काम

मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर इस अवैध निर्माण पर आखिर क्यों नहीं लगा रहे हैं रोक?

क्या हादसे के बाद ही नींद से जागती है मनपा बी/वार्ड?

11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

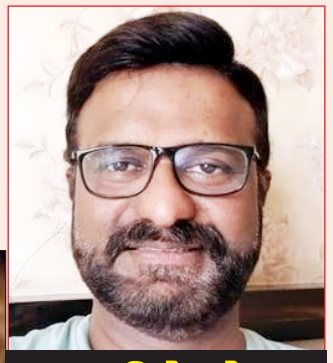

धनाजी हेरलेकर
सहायक आयुक्त,
मनपा बी/वार्ड

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भ्रष्ट मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत 11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई में सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर से सांठगांठ कर सबसे बड़ा भूमाफिया रफीक राजस्थानी धड़ल्ले से कर रहा है अवैध निर्माण का कार्य। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बनाई जा रही अवैध बिल्डिंग पूरे लोहे के एंगल पर बनाई जा रही है, और पूरी बिल्डिंग ओवरलोड हो चुकी है। जिसके कारण कभी भी मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत हो रहे इस अवैध निर्माण की वजह से कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है, जिसमें हजारों बेगुनाह बेमौत मारे जा सकते हैं

रफीक राजस्थानी

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बढ़ता गुस्सा

संसार में क्रोध भी शोध का विषय है। ताजा शोध में पता चला है कि दुनिया में लगभग 90 प्रतिशत आक्रामक घटनाओं के लिए क्रोध ही जिम्मेदार होता है। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन क्रोध को एक नकारात्मक भावना की स्थिति के रूप में परिभाषित करता है, जो आमतौर पर शत्रुतापूर्ण विचारों, शारीरिक उत्तेजना और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार से जुड़ी होती है। शोधकताओं ने यह भी बताया है कि क्रोध एक माध्यम है, कंबल की तरह है, जिसके नीचे कुछ न कुछ छिपा होता है। इसलिए शोधकर्ता क्रोध को कंबल-भावना भी कहते हैं। साइकोलॉजी टुडे में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, क्रोध के कंबल के नीचे देखना-समझना-सीखना हमारे जीवन में लोगों के साथ हमारे संबंधों को गहरा कर सकता है। हमें अधिक दयालु बना सकता है, हमारे शब्दों या वचन को ज्यादा प्रामाणिक बना सकता है। अक्सर जब हम किसी कारणवश निराश या हताश होते हैं, तो क्रोध का इस्तेमाल करते हैं। मतलब, अगर लोगों की निराशा या हताशा का समाधान किया जाए, तो क्रोध से बचा जा सकता है। क्रोध से बचकर हम आक्रामक या नुकसानदायक घटनाओं से बच सकते हैं। इससे हमारा तन, मन, धन और समय भी बच सकता है। आज क्रोध व्यापक है। वह हर तरफ वार करता है। जब ज्यादा क्रोध प्रकट होता है, तो हम शारीरिक लक्षणों का अनुभव करते हैं, जैसे मांसपेशियों में तनाव, पेट में जकड़न और अचानक तेज धड़कन इत्यादि। वास्तव में क्रोध ज्यादातर समय अच्छा नहीं होता है। शोधकर्ता इसे नकारात्मक भावना ही मानते हैं, जैसे ईर्ष्या, घृणा और उदासी है। हम अपने अनुभव से भी समझ सकते हैं कि क्रोध विस्फोटक, हिंसक और विनाशकारी हो सकता है। चीन की एक कहावत प्रसिद्ध है कि यदि आप क्रोध के समय एक पल के लिए भी धैर्य रखते हैं, तो आप सौ दिनों के दुख से बच जाते हैं। शोधकर्ता मानते हैं कि क्रोध एक आसान प्रक्रिया है, इसलिए अक्सर लोग अपनी बात मनवाने के लिए इसका सहारा लेते हैं। दुनिया में धैर्यपूर्वक व्यवहार करना शुरू से ही मुश्किल रहा है। मनोवैज्ञानिक 100 से अधिक वर्षों से अध्ययन कर रहे हैं कि क्रोध किस तरह शरीर में जहर की तरह काम करता है। वैसे क्रोध भी तर्कसंगत हो सकता है। एक विकासवादी दृष्टिकोण से देखें, तो क्रोध को एक न्यूरो-संज्ञानात्मक अनुकूलन के रूप में सबसे अच्छा समझा जाता है। मतलब, जब हम कोई मदद, बदलाव या कार्रवाई चाहते हैं, तो क्रोध का इस्तेमाल करते हैं। आज हर तरफ गुस्सा बढ़ रहा है। गैलप की वार्षिक ग्लोबल इमोशन रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में दुनिया पिछले 15 वर्षों में किसी भी समय की तुलना में अधिक दुखी, क्रोधित, चिंतित और तनावग्रस्त जगह हो गई है। स्टैनफोर्ड के मनोचिकित्सा और व्यवहार विज्ञान विभाग में प्रोफेसर एमेरिटस हैंस स्टेनर बताते हैं कि महामारी ने क्रोध को बढ़ाने में योगदान दिया है। हम क्रोध के जरिये अपनी तमाम समस्याओं का समाधान फटाफट खोज लेना चाहते हैं। दुकान में मौजूद उपभोक्ताओं के गुस्से की भी पड़ताल हुई है, जरूरी नहीं कि गुस्सा दुकान में मौजूद पुराने पनीर की वजह से हो, गुस्सा पार्किंग की जगह, ट्रैफिक, इंतजार की वजह से भी हो सकता है। दरअसल, हमें समग्रता में समझना होगा कि हमें क्रोध क्यों आ रहा है और शासन-प्रशासन को भी देखना होगा कि लोगों में बढ़ता क्रोध कैसे बिना क्रोध किए या बिना क्रोध बढ़ाए कम हो सकता है।

हर कोई आग फैलाने में लगा

टीवी चैनल अराजकता फैलाने के गुनहगार है। टीआरपी बढ़ाने के लालच में आये दिन विवाद पैदा करते रहते है। जानबूझ कर ऐसे विषयों को लेते है जो विवादास्पद हों और ऐसे ही वक्ताओं को बुलाते है जो उत्तेजक बाते बोलते हों। टीवी एंकर खुद सर्कस के जोकरों की तरह पर्दे पर उछल कूद करते है। तमाम संगठनों को सोचना होगा कि क्या वे वाकई राष्ट्र का निर्माण करना चाहते है या आम लोगों की धार्मिक भावनाओं का दोहन करके, केवल अपना राजनैतिक हित साधना चाहते है?

जिस दिन से भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता रहीं नूपुर शर्मा के बयान पर विवाद खड़ा हुआ है उस दिन से देश में भारी बवाल है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? यकीनन टीवी चैनल ही इस अराजकता फैलाने के गुनहगार है। जो अपनी टीआरपी बढ़ाने के लालच में आये दिन इसी तरह के विवाद पैदा करते रहते है। जानबूझ कर ऐसे विषयों को लेते है जो विवादास्पद हों और ऐसे ही वक्ताओं को बुलाते है जो उत्तेजक बाते बोलते हों। टीवी एंकर खुद सर्कस के जोकरों की तरह पर्दे पर उछल कूद करते है। जिस किसी ने बीबीसी के टीवी समाचार सुने होगें उन्हें इस बात का खूब अनुभव होगा कि चाहें विषय कितना भी विवादास्पद क्यों न हो, कितना ही गम्भीर क्यों न हो, बीबीसी के एंकर संतुलन नहीं खोते। हर विषय पर गहरा शोध करके आते है और ऐसे प्रवक्ताओं को बुलाते है जो विषय के जानकार होते है। हर बहस शालीनता से होती है। जिन्हें देखकर दर्शकों को उत्तेजना नहीं होती बल्कि विषय को समझने का संतोष मिलता है। भारत के कुछ टीवी, न्यूज चैनलों के एंकर तो विषय के अनुसार परिधान भी बदल देते है। अगर चन्द्रयान चांद पर उतरने वाला था तो ये कार्टून एस्ट्रोनेट की ड्रेस पहनकर चांद की सतह के ब्लोअप फोटो के सामने ऐसी कलाकारी दिखाते हैं, मानो कुछ ही क्षणों में ये खुद चांद पर उतरने वाले है। जब चन्द्रयान उतरने में नाकाम रहता है तो ये मर्सिया गाने लगते है। जैसे मुर्दनी छा गई हो। जबकि पत्रकार को संत कबीर दास जी की ये वाणी याद रखनी चाहिये, 'दास कबीर जतन से ओढी, ज्यों की त्यों धर दीनी चदरिया।' बिना राग-द्वेष के हर विषय को निष्पक्षता से प्रस्तुत करना, पैनल पर बैठे मेहमानों को अपनी बात कहने देना, नाहक विवाद को उठने से पहले रोक देना और कार्यक्रम का समापन, यदि सम्भव हो तो, समाधान के साथ करना। पर दुख की बात है कि आज भारत के अधिकतर टीवी चैनल इस आचार संहिता का पालन नहीं कर रहे। इस सबके लिए काफी हद तक मौजूदा केन्द्र सरकार भी जिम्मेदार है। जो अपनी कमियां या आलोचना बर्दाश्त नहीं करती। नतीजन टीवी चैनलों के पास दो ही रास्ते बचते हैंः या तो सरकार का झूठा यशगान करें या इस तरह की उत्तेजक, बिना सिर पैर की बहस करवा कर टीआरपी बढ़ाएँ।

जब भारत में कोई प्राईवेट टीवी चैनल नहीं था तब 1989 में देश की पहली हिन्दी विडियो समाचार कैसेट 'कालचक्र' से टीवी पत्रकारिता शुरू की थी। हमने कालचक्र में जनहित के मुद्दों को गम्भीरता से उठाया। उन पर देश के मशहूर लोगों से बेबाक बहस करवाई। उसी तरह आज के साधन सम्पन्न टीवी चैनल अगर चाहें तो जनहित में अनेक गम्भीर मुद्दों पर बहस करवा सकते है। जैसे नौकरशाही या लालफीताशाही पर, शिक्षा व्यवस्था पर, न्याय व्यवस्था पर, पुलिस व्यवस्था पर, अर्थ व्यवस्था पर, पर्यावरण पर व स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे अनेक अन्य विषयों पर गम्भीर बहसें करवाई जा सकती हैं। जिनके करने से देश के जनमानस में मंथन होगा और उससे विचारों का जो नवनीत निकलेगा उससे समाज और राष्ट्र को लाभ होगा। आज की तरह देश में अराजकता, हिंसा और कुंठा नहीं फैलेगी। रही बात धर्म चर्चा की तो इस बात का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया जाना चाहिये कि उन्होंने हजारों साल पुराने वैदिक सनातन धर्म को देश की मुख्य धारा के बीच चर्चा में लाकर खड़ा कर दिया है। जबकि पिछली सरकारें ऐसा करने से बचती रही। जिसका परिणाम ये हुआ कि धर्मनिरपेक्षता के नाम पर बहुसंख्यक हिन्दु समाज अपने को उपेक्षित महसूस करता रहा। इसलिए आज वो अवसर मिलने पर इतना मुखर हो गया है कि धर्म के हर प्रश्न पर आक्रमकता के साथ सक्रिय है। जो हो, धर्म के सवाल पर टीवी चैनलों में और आम जनता के बीच जिस स्तरहीनता की बहस आजकल हो रही है उससे न तो सनातन धर्म का लाभ हो रहा है और न ही भारत हिन्दु राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा है। इन बहसों से हिन्दू समाज का ही नही हर धर्म के मानने वालों का अहित हो रहा है। जो एक डरावने भविष्य की ओर संकेत कर रहा है। दुनिया के अनेक विशेषज्ञों ने भारत में भविष्य में गृहयुद्ध की सम्भावनाओं की भविष्यवाणी करनी शुरू कर दी है। यह हम जैसे सभी गम्भीर नागरिकों और सनातन धर्मियों के लिए बहुत चिन्ता का विषय है। इसलिए सभी राजनैतिक दलों व संगठनों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे टीवी चैनलों पर विषयों के जानकार और गम्भीर प्रवक्ताओं को ही भेजे। स्तरहीन डिबेट में अपने प्रतिनिधी भेजे ही नहीं, जो असंसदीय भाषा का प्रयोग करें। टीवी चैनलों को भी धर्म चर्चा में पोंगे पण्डितों, फर्जी धमार्चार्यों और कठमुल्लों को न बुलाएं। धर्म के विषय पर अगर ये टीवी चैनल गम्भीरता से बहस करवाये तो समाज का बहुत लाभ हो सकता है। सदियों की उलझी हुई गुत्थियां सुलझ सकती है। भारत अपनी पारम्परिक सांस्कृतिक विरासत की पुनः स्थापना कर सकता है। बशर्ते इन बहसों में धर्म के धुरंधर और विद्वान शामिल हो। उन्हें अपनी बात कहने दी जाये। एंकर भी पढ़े लिखे हो, मूर्ख नहीं हो, आत्ममुग्ध नहीं हो और विषय पर शोध करके आयें। इस तरह की बहसों से सरकार को भी कोई अपत्ति नहीं होगी। टीआरपी भी धीरे-धीरे बढ़ेगी और स्वास्थ्य समाज व राष्ट्र का निर्माण होगा। राष्ट्र निर्माण का दावा करने वाले संगठनों की सत्ता में भी अगर धर्म के विषयों पर ऐसी गम्भीर बहसें नहीं होंगी, तो फिर कब होंगी? इसलिए इन संगठनों को भी सोचना होगा कि क्या वे वाकई राष्ट्र का निर्माण करना चाहते है या आम लोगों की धार्मिक भावनाओं का दोहन करके, केवल अपना राजनैतिक हित साधना चाहते है?

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा स्थित दहिसर मोरी ठाकुर पड़ा में प्रशासन द्वारा

ध्वस्त किए गए मकान को लेकर आक्रोशित जनता ने सड़कों पर किया चक्का जाम

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 11 जून शनिवार मुंब्रा स्थित दहिसर मोरी ठाकुरपाड़ा में प्रशासन द्वारा बनी अवैध चालियों के मकान को ध्वस्त करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार 150 मकान प्रशासन द्वारा ध्वस्त किए गए चालियों के रहवासी द्वारा यह बताया जा रहा है कि हम लोग बीते 8 सालों से इस इलाके में रह रहे हैं और अचानक बिना नोटिस दिए प्रशासन ने हम लोगों के मकान को ध्वस्त कर डाला यह मकान हम लोगों ने बिल्डर से पैसे देकर खरीदी किया था और बारिश की शुरूआत हो गई है और ऐसे में हम लोग अपने बाल बच्चे को लेकर कहां पर जाएंगे हमने तिनका तिनका जमा करके यह चार्ली का मकान खरीदा था और उसे भी प्रशासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया जबकि इस मकान में प्रशासन द्वारा टैक्स लगाया गया था मीटर की सुविधाएं दी गई थी हमने इसी पते पर आधार कार्ड, राशन कार्ड, इलेक्शन कार्ड बनवाया था और कई मकान तो ऐसे हैं जिसके रजिस्ट्रेशन

भी किए गए थे उसको भी प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया अगर प्रशासन चाली के मकान को अवैध बता रहा है तो उस वक्त प्रशासन के कर्मचारी और अधिकारी क्या कर रहे थे जिस समय यह चार्ली के मकान को बिल्डर द्वारा निर्माण किया जा रहा था कार्रवाई करनी थी तो उस वक्त करते तो शायद आज हम लोगों को घर से बेघर सड़कों पर नहीं आना पड़ता आखिर प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारियों की गलती की सजा हम लोग क्यों भुगते हम गरीब लोगों ने सोचा कि कम दामों में घर मिल रहा है हमने थोड़ा थोड़ा पैसा जमा करके दिन रात मेहनत करके बिल्डर को पैसा दिया ताकि हमारे सर पर एक छत हो जाए लेकिन प्रशासन ने वह छत भी हम लोगों से छीन ली अभी बारिश शुरू हो गई है अब हम कहां जाएंगे क्या करेंगे कहां रहेंगे हमारी कौन सुनेगा सड़क पर तो हम आ ही गए लेकिन दोबारा हम प्रशासन को कार्रवाई करने नहीं देंगे क्योंकि ऐसा बताया जा रहा है कि कल फिर प्रशासन द्वारा बचे हुए चार्ली के मकानों पर कार्रवाई की जाएगी 10,000 परिवार को आज प्रशासन ने सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया अगर उनको कार्रवाई करनी थी तो हम लोगों को वक्त देते नोटिस देते हैं लेकिन किसी प्रकार का कोई नोटिस नहीं दिया गया और सीधा जेसीबी लेकर मकानों पर चढ़ा दिया और मकानों में रहने वाले लोगों को मकानों से निकालकर कार्यवाही की गई अब देखना यह है प्रशासन द्वारा यहां कार्यवाही की जाती है या रोक दी जाती है और सरकार 10,000 परिवार को लेकर क्या निर्णय लेती है क्या राज्य के गृह निर्माण मंत्री अल्पसंख्यक मंत्री जितेंद्र अवार्ड 10,000 परिवार वालों के बेघर हुए लोगों को सड़कों पर आए गरीब जनता की क्या मदद करेंगे यह तो समय ही बताएगा लेकिन फिलहाल जनता पूरी तरह से प्रशासन के विरुद्ध में आक्रोशित होती हुई नजर आ रही है और उन सभी लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया है जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं की जाती तब तक जनता सड़कों पर अपने परिवार बाल बच्चों के साथ डटी रहेगी तो किस तरह से प्रशासन बचे हुए मकानों पर कार्रवाई करती है या नहीं यह तो समय ही बताएगा।

बारिश के चलते दुरुस्ती करने के लिए कुछ इलाको में बिजली शट डाउन की जाएगी: टोरेंट पावर कंपनी लिमिटेड

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। बारिश के कारण टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा दुरुस्ती का काम किया जा रहा है इसके चलते मुंब्रा शहर की जनता को आव्हान किया जाता है कि गत 14 जून मंगलवार को मुंब्रा शहर के कुछ इलाकों में बिजली शट डाउन सवेरे 11 बजे से शाम 5:00 बजे तक की जाएगी शहर के टोरेंट पावर द्वारा किए जा रहे दुरुस्ती के काम को लेकर कुछ इलाके बिजली से प्रभावित होंगे मुंब्रा रेलवे स्टेशन, आनंद निवास,पुलिस चौकी, सीता राम सेठ, मुंबई कॉलोनी, दत्ता वाडी,जीवन बाग, मुंब्रा देवी रोड, पाटिल वाड़ी, प्रकाश कंपलेक्स, रोशनी २, शैलेश नगर,सम्मान पार्क, सम्राट नगर, उदयनगर, उमा आशिष, विट्ठल मंदिर, यह तमाम इलाके मैं बिजली शटडाउन की जाएगी।

महाराष्ट्र में कोविड के मामले बढ़ने को विशेषज्ञों ने 'हल्की लहर' बताया, अधिकतर मरीज जल्दी स्वस्थ हो रहे हैं

मुंबई। मुंबई सहित महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच मेडिकल विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादातर मरीजों में बीमारी के हल्के लक्षण हैं और मृत्यु दर भी कम है तथा वायरस का कोई नया चिंताजनक स्वरूप भी नहीं देखा गया है। विशेषज्ञों ने इसे 'हल्की लहर' करार दिया है। विशेषज्ञों ने कहा कि मरीजों को पारासिटामोल दी जा रही है न कि रेमडेसिविर दवाई जिसका इस्तेमाल कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान किया गया था। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, मई में महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के 9,354 मामले आए थे जिनमें से 5,980 मुंबई

के थे। पिछले महीने संक्रमण से 17 लोगों की मौत हुई थी। एक से 12 जून के बीच राज्य में 23,941 संक्रमित मिले हैं जिनमें से 14,945 सिर्फ मुंबई के हैं और इस अवधि में 12 लोगों की मौत हुई है। मुंबई में सरकारी जेजे अस्पताल में मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर डॉ सुनील भैसारे ने कहा कि कोविड के मामलों में इजाफा हुआ है लेकिन मरीजों में हल्के लक्षण हैं। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बहुत से अंतरराष्ट्रीय यात्री आते हैं और मास्क लगाने के अलावा अन्य सभी पाबंदियों को हटा लिया गया है। भैसारे दक्षिण मुंबई के सेंट जॉर्ज अस्पताल में कोविड-19 केंद्र का प्रबंध देखते हैं। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में फिलहाल सिर्फ 19 मरीज हैं जिनमें से ज्यादातर या तो कैदी हैं या वे हैं जो पुलिस हिरासत में हैं। भैसारे ने कहा, किसी भी मरीज को ऑक्सीजन की जरूरत नहीं है। अगर उन्हें किसी प्रकार की कोई शिकायत है तो हम केवल पारासिटामोल और अन्य सहायक उपचार दे रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

भ्रष्ट मनपा बी/वार्ड में अभी भी धड़ल्ले से चालू है अवैध काम

इस अवैध निर्माण कार्य के बारे में कई बार मनपा बी/वार्ड में शिकायत पत्र दिया गया, लेकिन शिकायत पत्र देने के बावजूद मनपा बी/वार्ड में बेखौफ भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा आज भी अवैध निर्माण कार्य चालू है। बता दें कि सूत्रों द्वारा पता चला है कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बी/वार्ड में किये जा रहे अवैध निर्माणों का पैसा मनपा बी/वार्ड के अधिकारी किरण दास और विशाल साखरकर द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर तक पहुंचाया जाता है। साथ ही आपको बता दें कि पूरे मुंबई में सबसे भ्रष्ट मनपा वार्ड 'बी/वार्ड' है, क्योंकि पूरे मुंबई में इतना अवैध निर्माण नहीं होते हैं जितना अवैध निर्माण एक अकेले मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत हुये हैं। भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बनाई जा रही अवैध बिल्डिंग पूरे लोहे के एंगल पर बनाई जा रही है, और पूरी बिल्डिंग ओवरलोड हो चुकी है। जिसके कारण कभी भी मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत हो रहे इस अवैध निर्माण की वजह से कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है, जिसमें हजारों बेगुनाह बेमौत मारे जा सकते हैं। अगर भविष्य में कोई दुर्घटना घटती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर इस अवैध निर्माण को आखिर क्यों नहीं रोक रहे हैं? क्या सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर कोई बड़ी दुर्घटना होने के बाद ही नींद से जागेंगे? अगर समय रहते इस अवैध निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाती है तो भविष्य में होने वाले दुर्घटना से बचा जा सकता है, लेकिन भ्रष्ट मनपा बी/वार्ड की आंखें तभी खुलती हैं जब मनपा बी/वार्ड में कोई बड़ा हादसा हो जाता है।

श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत ड्रग के आरोप में गिरफ्तार

वहीं इस मामले में उनके पिता शक्ति कपूर ने अपने बयान में कहा कि 'मैं केवल एक ही बात कह सकता हूं कि यह संभव नहीं है।' बेंगलुरु सिटी ईस्ट डिवीजन के डीसीपी डॉ. भीमशंकर ने बताया कि इस मामले में अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह सभी ड्रग्स लेकर पार्टी में आए थे या फिर होटल में ड्रग्स ली गईं। सभी आरोपियों को उलसूर पुलिस स्टेशन लाया गया है। सिद्धांत कपूर की मेडिकल रिपोर्ट में यह साबित हुआ है कि उन्होंने ड्रग्स का सेवन किया था। हमने उन्हें अरेस्ट कर लिया है और आगे के प्रोसीजर पूरे कर रहे हैं। हम सिद्धांत को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजने की मांग करेंगे। सिद्धांत कपूर बॉलीवुड एक्टर शक्ति कपूर के बेटे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत 1997 में आई फिल्म जुड़वा से की थी। सिद्धांत अगली, जज्बा, हसीना पारकर, पलटन, हैलो चार्ली और चेहरे जैसी फिल्मों में काम किया है। सिद्धांत हाल में रिलीज हुई सीरीज भौकाल में भी नजर आए थे।

राजस्थान में फिर भड़का आरक्षण आंदोलन

सरकार ने मंत्री विश्वेंद्र सिंह और संभागीय आयुक्त को आंदोलनकारियों के प्रतिनिधियों से बातचीत करने के लिए अधिकृत कर दिया है। आरक्षण संघर्ष समिति के संरक्षक लक्ष्मण सिंह कुशवाहा ने कहा- समाज के लोग संविधान के तहत आरक्षण की डिमांड कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद संख्या 16 (4) में व्यवस्था दी गई है। वे जातियां जो अति पिछड़ी हुईं हैं, उन्हें राज्य सरकार अपने स्तर पर आरक्षण दे सकती है। इसका केंद्र से कोई मतलब नहीं है। आज समाज में न तो कोई आईएएस अधिकारी है और न आरएएस है। कुशवाहा ने कहा- काची (माली) समाज अति पिछड़े में आता है। काची समाज की जनसंख्या 12 प्रतिशत है, इसलिए हम जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मांग रहे हैं। इसको लेकर मुख्यमंत्री से मिल चुके हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि इस पर विचार किया जाएगा, लेकिन आज तक कोई विचार नहीं किया। जिसके बाद मजबूर होकर समाज के लोगों ने चक्का जाम किया है। अभी तक सरकार का कोई प्रतिनिधि बात करने अरोदा नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा- हम प्रशासनिक स्तर पर बात नहीं करेंगे। भरतपुर संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने बताया कि माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज की ओर से 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग की गई है।

मुंबई को मिलेगी ट्रैफिक से आजादी!

बीएमसी ने तैयार की 'नई प्लानिंग', गाड़ी पार्किंग के लिए दी जाएगी जगह

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। पार्किंग की समस्या से जूझ रहे मुंबईकरों को राहत देने के लिए बीएमसी ने पहल की है। जिन सोसायटियों के पास पार्किंग की सुविधा नहीं है, ऐसे लोगों की लिस्ट बीएमसी ने फॉर्म भर कर मांगी है। पार्किंग की समस्या हल करने के लिए बीएमसी सर्वे कर रही है, उसी के तहत बीएमसी ने सोसायटियों से आवश्यकता के अनुसार जानकारी देने को कहा है। इस पहल से बीएमसी सोसायटी के नजदीक पार्किंग की उपलब्ध करा सकेगी। बीएमसी के इस कदम से मुंबई में पार्किंग की समस्या काफी हद तक हल होने की उम्मीद बढ़ी है। कई बार रोड पर गाड़ी पार्क करने की वजह से लोगों को भारी जुर्माना भरना पड़ता है। साथ ही शरारती तत्व गाड़ियों को नुकसान भी पहुंचा देते हैं। पार्किंग सुविधा उपलब्ध होने पर लोगों को जुर्माना नहीं भरना पड़ेगा। साथ ही गाड़ी भी सुरक्षित रहेगी।

पार्किंग के लिए उपलब्ध कराई जाएगी जगह

बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि बीएमसी जो पार्किंग बनाएगी, उसका शुल्क सोसायटियों से एक साल पहले अडवांस ले लिया जाएगा। पार्किंग सुविधा सोसायटी से 500 मीटर की दूरी पर उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारी ने बताया कि मुंबई में पार्किंग की कितनी आवश्यकता है, इसके लिए सर्वे किया जा रहा है। सोसायटी फॉर्म भर कर बताएगी कि उन्हें कितनी गाड़ियों की पार्किंग की आवश्यकता है, उसी हिसाब से आगे की रणनीति बनाई जाएगी। सोसायटियों में पार्किंग की सुविधा न होने पर कई बार लोग गाड़ियों को रोड की साइड में लगा देते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है।

सभी 24 वॉर्डों में उपलब्ध होगी सुविधा

मुंबई में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक को रोकने के लिए पार्किंग की दिक्कत हल करना जरूरी है। जिन सोसायटियों में पार्किंग की सुविधा नहीं होगी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पार्किंग मुहैया कराई जाएगी। मुंबई के सभी 24 वॉर्डों में यह सुविधा उपलब्ध होगी। पार्किंग के लिए जमीन वॉर्ड के असिस्टेंट कमिश्नर की तरफ से दी जाएगी। पार्किंग के दौरान गाड़ियों का विवरण और सुरक्षा की जिम्मेदारी सोसायटियों के पदाधिकारियों की होगी।

53 करोड़ खर्च कर बनाई जाएगी अंडरग्राउंड पार्किंग

दक्षिण मुंबई में पार्किंग एक बड़ी समस्या है। यहां हुतात्मा चौक परिसर में स्थित एक पुरानी पार्किंग की जगह का विकास कर अंडरग्राउंड पार्किंग बनाई जाएगी। इस पार्किंग की क्षमता अभी 56 गाड़ी पार्क करने की है। भूमिगत पार्किंग बनने के बाद उसमें 200 गाड़ियां पार्क की जा सकेंगी। इस पर 53 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इसी तरह, माटुंगा पूर्व में स्टेशन के पास बीएमसी की पार्किंग है, वहां रोबोटिक एलिवेटेड पार्किंग बनाए जाने की योजना है। यहां अभी 100 गाड़ी पार्क होती हैं। नई पार्किंग बनने के बाद यहां 400 गाड़ी पार्क की जा सकेंगी।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड

शार्प शूटर जाधव और सूर्यवंशी गुजरात से गिरफ्तार

महाराष्ट्र पुलिस बोली- लॉरेंस और सिंगर के मर्डर से लिंक खंगाल रहे

चंडीगढ़। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में महाराष्ट्र के पुणे का शार्प शूटर संतोष जाधव गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे गुजरात के कच्छ से साथी नवनाथ सूर्यवंशी के साथ पकड़ा गया। पुणे पुलिस की टीम को यह कामयाबी मिली। दोनों को 20 जून तक रिमांड पर लिया गया है। संतोष जाधव कुख्यात गैंगस्टर अरुण गवली गैंग का गुर्गा है। संतोष जाधव और नवनाथ सूर्यवंशी को दिल्ली पुलिस ने मूसेवाला की किलिंग में शामिल बताया था। जिसके बाद दोनों की तलाश की जा रही थी। फिलहाल उसे 2021 में दर्ज पुणे के एक मर्डर केस में पकड़ा गया है। महाराष्ट्र के एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर कुलवंत कुमार सारंगल ने कहा कि गैंगस्टर लॉरेंस गैंग से इन दोनों के लिंक के बारे में जांच की जा रही है। इनका मर्डर से लिंक है या नहीं, इसकी भी हम जांच करेंगे। संतोष जाधव और नवनाथ सूर्यवंशी से पूछताछ के लिए पंजाब पुलिस की टीम पुणे रवाना हो रही है। पंजाब पुलिस की एक टीम पहले ही वहां सौरव महाकाल से पूछताछ के लिए पहुंची हुई है। महाराष्ट्र के एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर कुलवंत कुमार सारंगल ने बताया कि कुछ दिन पहले मीडिया में इन्फॉर्मेशन आई थी। जिसमें कहा गया कि मूसेवाला की हत्या में महाराष्ट्र के कुछ लोग इन्वॉल्व हैं। उसके आधार पर हमने संतोष जाधव और सौरव महाकाल के बारे में जानकारी जुटानी शुरू की। इसमें पता चला कि संतोष जाधव मकोका के केस में फरार है। हम उसकी पहले से तलाश कर रहे थे। सिद्धेष हीरामन कांबले उर्फ सौरव महाकाल के बारे में हमें कुछ ज्यादा पता नहीं था। करीब 8 घंटे में हमने उसकी सूचना जुटाई। उसे पकड़कर पुलिस रिमांड लिया। उससे पूछताछ के बाद मिली सूचना के आधार पर हमने 3 टीमें बनाईं। एक टीम गुजरात भेजी गई थी। 8 दिन से टीम गुजरात में रही। राजस्थान और दिल्ली में भी टीम गई। इसके बाद हमें संतोष जाधव और नवनाथ सूर्यवंशी गुजरात में मिल गए। दोनों को मुंबई लाकर पुलिस रिमांड लिया गया है। पुणे पुलिस ने पहले पुणे से शार्प शूटर सिद्धेष हीरामन कांबले उर्फ सौरव महाकाल को पकड़ा था। उसे भी मूसेवाला की हत्या में शामिल बताया गया। हालांकि, उससे पूछताछ के बाद दिल्ली पुलिस ने कहा कि वह हत्या में शामिल नहीं है।

अमेजन पर 200 करोड़ की पेनल्टी को बरकरार रखने का एनसीएलएटी का निर्णय

मुंबई। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महानगर मुंबई प्रांत के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा अमेजन पर सीसीआई द्वारा लगाए गए 200 करोड़ रुपये के जुर्माने को बरकरार रखने के नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) द्वारा आज दिए गए आदेश का स्वागत है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष शबी.सी. भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने आदेश को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा की आदेश ने 'सत्य की हमेशा जीत' की बात को सही साबित कर दिया है और सभी को एक मजबूत संकेत दिया है कि भारत एक 'बनाना रिपब्लिक' जैसा गणराज्य नहीं है और न ही भारत के कानून कमजोर हैं। उन्होंने एक संयुक्त बयान में कहा कि भारतीय ई-कॉमर्स और रिटेल व्यापार को बंधक बनाने के कोई भी मंसूबे किसी के भी कभी पूरे नहीं होंगे और किसी भी विदेशी कम्पनी को ईस्ट इंडिया कंपनी का दूसरा संस्करण नहीं बनने दिया जाएगा। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (NCLAT) ने आज भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा 17 दिसंबर 2021 को जारी एक आदेश के खिलाफ अमेजन, कैट और अन्य द्वारा दायर विभिन्न अपीलों पर आज अपना फैसला सुनाया और माना की सीसीआई के पूर्व में दिए गए आर्डर जिसमें अमेजॅन ने जानबूझकर एक सोची समझी रणनीति के तहत फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) में अपने निवेश के लिए संयोजन की मंजूरी लेने के लिए गलत प्रतिनिधित्व, गलत बयान और सम्बंधित सामग्री एवं जानकारी को छुपाया। सीसीआई ने अपने आदेश में अमेजन पर 200 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना भी लगाया था

जिसके खिलाफ अमेजन ने अपील की थी। एनसीएलएटी ने आज माना है कि अमेजॅन ने वास्तव में संयोजन से संबंधित जानकारी को छुपाया है और सभी संबंधित विवरणों का खुलासा नहीं किया है। एनसीएलटी ने सीसीआई के आदेश को बरकरार रखा है और 200 करोड़ रुपये के जुर्माने की पुष्टि की है। एनसीएलटी ने एमेजॉन को नया नोटिस दाखिल करने और 45 दिनों के भीतर जुमार्ने की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। एनसीएलटी में कैट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णन वेणुगोपाल, और सौरभ कृपाल ने मजबूती से सारे मामले का पक्ष रखा। वेणुगोपाल ने तर्क दिया कि फ्यूचर समूह की कंपनियों के साथ अमेजॅन का संपूर्ण लेनदेन अवैध रूप से फिजिकल रिटेल बाजार में प्रवेश करने, फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एक भारतीय मल्टी-ब्रांड खुदरा कंपनी) के स्वामित्व वाले खुदरा स्टोरों पर कब्जा करने और छोटे व्यापारियों के व्यापार को हड़पने के इरादे पर आधारित है। वेणुगोपाल ने इस बात पर जोर दिया कि अमेजन का यह कदम देश के खुदरा व्यापारियों के लिए एक सीधा खतरा होगा जो अमेजॅन जैसे बड़े पैमाने पर ई-कॉमर्स व्यवसाय मॉडल के साथ प्रतिस्पर्धा करने में फिलहाल सक्षम नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा की एफडीआई कानून इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथा को रोकने और उपभोक्ताओं और खुदरा व्यापारियों के व्यापार की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने और सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए थे। अमेजन ने सरे आम एफडीआई कानूनों का उल्लंघन किया है और फ्यूचर रिटेल के अप्रत्यक्ष अधिग्रहण के साथ अवैध रूप से मल्टी ब्रांड रिटेल ट्रेड क्षेत्र में प्रवेश किया है जो गई कानूनी है। शंकर ठक्कर ने आगे कहा की एनसीएलटी का निर्णय अमेजन सहित अन्य विदेशी ई कॉमर्स कंपनियों द्वारा कानूनों एवं नियमों के खुले उल्लंघन को प्रमाणित करता है। अमेजन द्वारा लगातार प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं और कानून के उल्लंघन पर कैट पिछले अनेक वर्षों से लगातार आवाज उठा रहा है जिनमें लागत से कम मूल्य पर माल बेचना, भारी डिस्काउंट देना, इन्वेंट्री का नियंत्रण अपने पास रखना जैसी गलत व्यापारिक प्रथाएं शामिल हैं। मोर रिटेल लिमिटेड और फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के अधिग्रहण के माध्यम से अमेजन ने यह कोशिश की है जिसको रोका जाना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें इस पर कठोर कदम उठाएंगी।

अकेले पड़े कांग्रेसी युवराज, ईडी के सवालों की बौछार झेल रहे राहुल को नहीं मिला विपक्ष का साथ

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के सवालों को झेल रहे कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को विपक्ष का साथ नहीं मिला। सोमवार को जब राहुल से पूछताछ चल रही थी तो उस वक्त उनकी बहन एवं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी अपने नेताओं का हालचाल जानने पुलिस स्टेशन में पहुंची थीं। दोपहर दो बजे तक देश के दर्जनभर दलों के प्रमुख नेताओं ने राहुल के समर्थन में ट्वीट करने से भी गुरेज किया। अगर कांग्रेस पार्टी को छोड़ दें तो राहुल अकेले पड़ गए थे। राहुल गांधी के ईडी दफ्तर में पहुंचने से पहले पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने एक प्रेसवार्ता में मोदी सरकार के खिलाफ नई क्रांति का जिक्र किया था। जैसे ही राहुल से पूछताछ शुरू हुई तो कांग्रेस पार्टी की नई क्रांति, 'एकला चलो' की राह पर जाती हुई नजर आई। साल 2019 में जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम कथित खनन घोटाले में आया तो कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने उनके समर्थन में बयान जारी किया था। विपक्षी दलों ने उस मामले में सीबीआई को आड़े हाथ लिया। खुद अखिलेश ने ट्वीट करते हुए लिखा, दुनिया जानती है इस खबर में हुआ है मेरा जिक्र क्यों, बदनीयत है जिसकी बुनियाद उस खबर से फिक्र क्यों'। बसपा के सतीश मिश्र ने कहा, केंद्र सरकार, सीबीआई को ध्वस्त कर रही है। हमीरपुर में जो कुछ हुआ है, उसके लिए मुख्यमंत्री कैसे जिम्मेदार हो सकते हैं। सरकार, सीबीआई को तोते की तरह इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस ने भी इस मुद्दे पर अखिलेश यादव के साथ खड़े होने का एलान किया था। कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने उस वक्त कहा था, नरेंद्र मोदी सरकार सीबीआई जैसी संस्थाओं के जरिए राजनीतिक पार्टियों पर दबाव बनाने का काम करती है। जब पश्चिम बंगाल में सीबीआई टीम को बंधक बनाया गया तो भी देश के प्रमुख विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की आलोचना की थी।

चीनी रक्षामंत्री वेई फेंग ने दी चेतावनी

ताइवान को अलग करने की कोशिश की तो युद्ध तय समझें

संवाददाता / बीजिंग

ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन में ठन गई है। अमेरिका लगातार ताइवान पर चीन के बल प्रयोग की निंदा कर रहा है। तो चीन अमेरिका को युद्ध की धमकी देने लगा है। चीन ने कहा है कि ताइवान चीन का हिस्सा है। अगर अमेरिका बीजिंग को नियंत्रित करने की कोशिश करेगा, तो उसके लिए यह अच्छा साबित नहीं होगा। चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंग और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सिंगापुर में आमने-सामने की बैठक की। इसी बैठक के दौरान चीन ने ताइवान को लेकर अमेरिका को सीधी चेतावनी दे डाली।

चीन को तोड़ने की मंशा रखने वालों से कोई सहानुभूति नहीं

चीनी रक्षा मंत्री फेंघे ने कहा, ताइवान चीन से अलग नहीं है। लेकिन अगर किसी ने इसे चीन से अलग करने का प्रयास किया तो हम युद्ध छेड़ने से पीछे नहीं हटेंगे। फिर चाहे इसके लिए हमें बुरा से बुरा परिणाम क्यों न भुगतना पड़े। फेंग ने कहा चीन हर कीमत पर लड़ेगा और अंत तक लड़ना जारी रखेगा।

ओडिशा पुलिस की बड़ी कामयाबी

माओवादियों के 'मददगार' 295 मिलिशिया ने किया 'सरेंडर'

संवाददाता / भुवनेश्वर

मलकानगिरी में माओवादियों से सहानुभूति रखने वाले कम से कम 295 एक्टिव मिलिशिया ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। इनमें मलकानगिरी के स्वाभिमान आंचल के मिलिशिया, स्थानीय ग्राम समिति के मेंबर्स, माओवादियों से सहानुभूति रखने वाले और गण नाट्य संघ जैसे माओवादी संगठनों के कुछ मेंबर्स शामिल हैं। स्वाभिमान आंचल इलाके में जंत्री ग्रामपंचायत के धाकड़पदार, ताबेर, डाबुगुडा और अर्लिंगपाड़ा जैसे चार गांवों से कम से कम 295 लोगों ने बीएसएफ कैंप में आयोजित एक समारोह में सरेंडर कर दिया।

माओवादी विचारधारा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

सरेंडर करने वालों में महिला और पुरुष दोनों शामिल हैं। पुलिस ने बताया सरेंडर करने वाले ग्रामीणों पर कुछ आरोप हैं, जिनमें- आगजनी करना, आम नागरिकों की हत्याएं, रिंगे के बजाय काला झंडे को तवज्जों देना और उसे फहराना शामिल है। इसके अलावा, गाड़ियों को आग के हवाले करना, विधायक-एमपी चुनावों का बॉयकॉट करना, माओवादियों को खाने की सप्लाई करना सुरक्षाबलों की जानकारी देना शामिल है।

जेनेवा में शुरू हुआ डब्ल्यूटीओ का 12वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

डब्ल्यूटीओ में खाद्य सुरक्षा और सब्सिडी का मुद्दा उठाएगा भारत

संवाददाता / नई दिल्ली

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का 12वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन स्विट्जरलैंड के जेनेवा में शुरू हो गया है। मंत्रिस्तरीय बैठक टीके, खाद्य सुरक्षा और मत्स्य पालन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित रहेगी। जिसका असर भारत के नागरिकों, उनकी आजीविका और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। विकसित देश गरीब किसानों और मछुआरों को सब्सिडी सब्सिडी देने का विरोध कर रहे हैं, जबकि भारत अडिग है। भारत को सम्मेलन में भाग लेने वाले 164 देशों में से लगभग 81 का समर्थन प्राप्त है, जिसने भारत की ताकत को और मजबूत किया है। इस बैठक में भारत अपनी खाद्य सुरक्षा चिंताओं के स्थायी समाधान का मुद्दा उठाएगा। बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल करेंगे।

कई देश खाद्य सब्सिडी विरोधी, भारत अनुदान के पक्ष में

भारत पहले ही डब्ल्यूटीओ को एक पत्र भेजकर अपने भंडार से निर्यात की अनुमति देने के लिए कह चुका है। इसका मतलब यह है भारत मुख्य रूप से किसानों से उच्च दरों पर अनाज खरीदता है और इसे देश के गरीब लोगों को सस्ते में देता है। हालांकि, इनमें से कई टन भंडारण तक नहीं पहुंचते हैं, जिसके चलते अनाज खराब हो जाता है। वहीं, सरकार की ओर से खरीदे जाने वाले ज्यादातर अनाज में मुख्य रूप से गेहूं और चावल होते हैं। ऐसे में भारत मांग कर रहा है कि हमें इनके निर्यात की अनुमति दी जाए।

वैक्सीन के आईपीआर पर होगी चर्चा

डब्ल्यूटीओ फोरम में भारत, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और यूरोपीय संघ की मुलाकात होगी। इसमें मुख्य रूप से वैक्सीन के आईपीआर यानी पेटेंट में छूट पर चर्चा होगी। डेढ़ साल पहले भारत और दक्षिण अफ्रीका ने महामारी में पेटेंट में ढील देने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, अमेरिका और यूरोपीय संघ में दवा कंपनियां इससे सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि इसमें बहुत पैसा और रिसर्च खर्च होता है। अगर ऐसा हुआ तो भविष्य में इनपर खर्च होनेवाला पैसा कहां से आएगा और खर्च किए गए पैसे को कौन चुकाएगा।

मत्स्य पालन पर सब्सिडी के पक्ष में भारत

मत्स्य पालन को लेकर कुछ अहम फैसले भी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में लिए जा सकते हैं। मछली पकड़ने के लिए सब्सिडी एक बड़ा चर्चा का विषय इस सम्मेलन में साबित होगा। कुछ देशों का मानना है कि मछली पकड़ने के लिए सब्सिडी को विनियमित किया जाना चाहिए और इस सम्मेलन में इसपर निर्णय लिया जा सकता है। हालांकि भारत इसका कड़ा विरोध करता है। भारत का कहना है कि छोटे मच्छुआरों को मिलने वाला अनुदान जारी रहना चाहिए। भारत का कहना है कि जिस तरह खाद्य सुरक्षा के लिए भोजन पर सब्सिडी दी जाती है, उसी तरह मछली पकड़ने के लिए भी सब्सिडी दी जाती है, जो जारी रहे। मछली भोजन भी विश्व स्तर पर कई लोगों के जीवन का एक अभिन्न अंग है।

बुलढाणा नगर परिषद सदस्य पद के लिए ड्रॉ की घोषणा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। राज्य भर में 216 नगर परिषदों/नगर पंचायतों के आम चुनाव के लिए आरक्षण सीटों के लिए आज, 13 जून को ड्रॉ के जरिए किया। जिले की कुल 13 नगर परिषदों में से 11 नगर परिषदों के वार्डों के अनुसार सदस्यता का आरक्षण निकाला गया। बुलडाना नगर परिषद ने आज आम चुनाव 2022 के लिए अनुसूचित जाति महिलाओं, अनुसूचित जनजाति महिलाओं और सामान्य महिलाओं के लिए आरक्षण सीटों के लिए ड्रॉ की घोषणा की। जिसमें बुलडाना नगर परिषद के 15 वार्डों में 30 सीटों के लिए आरक्षण ड्रॉ किया गया। जिसमें से 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए, 1 अनुसूचित जनजाति के लिए और शेष सीटें सामान्य सीटों के लिए आरक्षित की गई है। तहसीलदार रूपेश खंडारे, और न.प. मुख्याधिकारी व प्रशासक गणेश पांडे इनकी प्रमुख उपस्थिति में ड्रॉ नगर परिषद भवन में आयोजित किया गया था।

ड्रॉ में ऐसे निकला आरक्षण

1) ए- अनुसूचित जाति (महिला), बी - जनरल, वार्ड 2) ए जनरल (महिला), बी जनरल, वार्ड 3) ए जनरल (महिला), बी - जनरल, वार्ड 4) ए जनरल (महिला), बी - जनरल, वार्ड 5) ए जनरल (महिला), बी - जनरल, 6) ए - अनुसूचित जाति (महिला), बी - जनरल, 7) ए - अनुसूचित जनजाति (महिला), बी - जनरल, वार्ड 8) ए - अनुसूचित जाति (महिला), बी - जनरल, वार्ड 9) ए- अनुसूचित जाति, बी- जनरल (महिला), 10) ए- जनरल (महिला), बी - जनरल, 11) ए - जनरल (महिला), बी - जनरल, 12) ए जनरल (महिला), बी- जनरल, 13) ए - अनुसूचित जाति, बी- जनरल (महिला), 14) ए जनरल (महिला), बी - जनरल, 15) ए जनरल (महिला), बी - जनरल।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में गैस सिलेंडर खोल मोदी-योगी को बुलाने की मांग कर हड़कंप मचाया

- खिड़की तोड़कर मानसिक विक्षिप्त युवक को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल रहे पुलिस और फायर ब्रिगेड वाले

- दो दिन पहले भी पेड़ पर चढ़ कर रहा था यही मांग

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। सोमवार की सुबह एक युवक ने योगी, मोदी को बुलाने की मांग करते हुए ना केवल अपने आप को कमरे में बंद किया बल्कि गैस सिलेंडर खोल कर हड़कंप भी मचा दिया। इस बीच जब एलपीजी गैस की महक आसपास के घरों पर पहुंची तो लोग बाहर निकल भागे। बाद में सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड वालों ने खिड़की तोड़कर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक युवक मानसिक रुप से विक्षिप्त भी है। पुलिस ने बताया कि मानसिक विक्षिप्त 30 वर्षीय विनोद कुशवाहा ने आज सोमवार की सुबह अपने आप को कमरे में बंद कर लिया और एलपीजी सिलेंडर चालू कर दिया। कुछ देर में एलपीजी गैस आसपास के घरों तक पहुंच गई। महक लगने पर पड़ोसी पहुंच गए। इस बीच खिड़की से युवक ने मोदी योगी को बुलाने की मांग कर शोर मचाना शुरू कर दिया। जानकारी पर पुलिस व फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। काफी समझाने के बाद युवक के दरवाजा न खोलने पर फायर ब्रिगेड के कर्मचारी खिड़की तोड़कर अंदर गए और गैस बंद कर दरवाजा खोलने के बाद युवक को सकुशल बाहर निकाला। थाना प्रभारी कृष्ण मोहन राय का कहना है कि युवक सुरक्षित है। वह मानसिक मंदित बताया जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक दिन पूर्व विनोद गांव के बाहर एक पेड़ पर चढ़ गया था। और तब भी वह मोदी, योगी को बुलाने की मांग कर रहा था। इस बीच वहां पहुंचे कुछ लोगों ने समझा-बुझाकर युवक को पेड़ से नीचे उतारा था। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बहन की चिता पर भाई ने भी जान दी

चचेरा भाई 430 किमी बाइक चलाकर घर पहुंचा और बहन की जलती चिता में कूद गया

सागर। मध्यप्रदेश के सागर के नजदीक मझगुवां गांव में एक युवक ने चचेरी बहन की चिता पर लेटकर जान दे दी। बहन की कुएं में गिरने से मौत हो गई थी। खबर मिलते ही 430 किलोमीटर दूर धार से उसका चचेरा भाई घर लौटा। यहां सीधे श्मशान घाट जाकर जलती चिता को प्रणाम कर उस पर लेट गया। आग में झुलसने से अस्पताल ले जाते वक्त उसकी भी मौत हो गई। 36 घंटे बाद परिजन ने रविवार सुबह बहन की चिता के पास ही उसका भी अंतिम संस्कार कर दिया। यह गांव सागर से 20 किमी दूर है। ज्योति उर्फ प्रीति (21) गुरुवार शाम 6 बजे वह खेत पर गई थी, लेकिन तीन घंटे तक वापस नहीं आई। ज्योति के बड़े भाई शेरसिंह ठाकुर ने बताया कि खेत पर सब्जियां लगी हैं।

ज्योति शाम को सब्जियां लेने के लिए जाती थी, लेकिन देर तक नहीं लौटी तो हमने सोचा किसी सहेली के घर गई होगी। फिर गांव में रात 12 बजे तक तलाश की लेकिन पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह 9 बजे ज्योति के पिता भोले सिंह खेत गए। उन्हें अंदेशा हुआ कि ज्योति कुएं में न गिर गई हो तो कुएं में मोटर लगाकर पानी खाली कराया। दो घंटे बाद 11 बजे कुएं में ज्योति के कपड़े दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ज्योति का शव कुएं से बाहर निकाला और पीएम के लिए भेजा। इसकी खबर ज्योति के धार में रह रहे चचेरे भाई करण ठाकुर (18) को लगी तो वह बाइक से सागर के लिए निकल पड़ा। बहेरिया थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया पोस्टमॉर्टम के बाद ज्योति का शव परिजन को शुक्रवार शाम को सौंप दिया। इसके बाद परिजन ने गांव के पास ही श्मशान घाट में उसका अंतिम संस्कार किया। ज्योति के बड़े भाई शेर सिंह ने बताया शुक्रवार शाम 6 बजे अंतिम संस्कार के बाद गांव के सभी लोग घर लौट आए। तब तक करण ठाकुर वहां नहीं पहुंचा था। शनिवार सुबह 11 बजे गांव के ही कुछ लोगों ने बताया कि ज्योति की चिता के पास उसका भाई आग में झुलसा पड़ा है। करण धार से अक्सर मझगुवां गांव आया-जाया करता था, इसलिए गांव के कुछ लोग भी करण को जानते थे।

अस्पताल ले जाते समय हुई करण की मौत: करण के झुलसने की सूचना धार जिले के धरमपुरी तहसील के खलघाट गांव में उसके पिता उदय सिंह को दी। उन्होंने बताया करण शुक्रवार शाम को ही बहन की मौत की सूचना मिलने पर सागर के लिए बाइक से रवाना हो गया था। शेर सिंह ने बताया कि करण शनिवार सुबह 7 से 9 बजे के बीच श्मशान पहुंचा होगा और बहन की जलती चिता पर लेट गया। गांव वालों ने उसे करीब 11 बजे झुलसा हुआ देखा। तब वे अस्पताल लेकर गए, लेकिन रास्ते में ही करण की मौत हो गई।

मां-बाप के आने के बाद अंतिम संस्कार: शनिवार दोपहर में करण की मौत के बाद उसका शव भी पीएम के लिए भेजा। शनिवार शाम को पुलिस ने शव परिजन को सौंप दिया, लेकिन तब तक करण के मां-बाप धार से सागर नहीं पहुंच पाए थे। रात में मां-बाप मझगुवां गांव पहुंचे। तब उनकी मौजूदगी में रविवार सुबह बहन ज्योति की चिता के पास ही परिजन ने करण का अंतिम संस्कार किया।

दोनों मौत की जांच कर रहे हैं: थाना बहेरिया के टीआई दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि 21 साल की ज्योति उर्फ प्रीति कुएं से पानी भर रही थी। पैर फिसलने से वह कुएं में गिर गई और डूबने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसका चचेरा भाई करण धार से मझगुवां गांव पहुंचा और बहन की जलती चिता में लेट गया। वह बुरी तरह झुलस गया। उसे अस्साल ले जाया जा रहा था तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस दोनों मामलों में जांच कर रही है।

क्रिप्टो बाजार में हाहाकार, बिटक्वाइन 12 फीसदी से ज्यादा टूटा, इथेरियम के निवेशकों का बुरा हाल

नई दिल्ली। सोमवार का दिन क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले लोगों के लिए ब्लैक मंडे के तौर पर सामने आया। क्रिप्टो बाजार में ऐसा भूचाल आया, जिसकी भरपाई हाल फिलहाल होना संभव नहीं दिखता। दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन का दाम 12.02 फीसदी या 2,73,718 रुपये कम होकर 20,03,985 के निचले स्तर पर पहुंच गई। इसका बाजार पूंजीकरण भी बुरी तरह टूटकर 37.6 ट्रिलियन रुपये रह गया है। बिटक्वाइन के साथ ही दुनिया की दूसरी सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम के निवेशकों को भी सोमवार के दिन भारी घाटा उठाना पड़ा है। इस डिजिटल करेंसी के दाम में खबर लिखे जाने तक 16 फीसदी की गिरावट आ चुकी थी और इसका भाव 19,093 रुपये तक टूट गया था। इस गिरावट के बाद इथेरियम की वैल्यू कम होकर 1,02,121 रुपये रह गई। इसके साथ ही इस कीमत पर इसका बाजार पूंजीकरण भी घटकर 12.6 ट्रिलियन रुपये पर पहुंच गया।

टेथर में बढ़त, बाकी लाल निशान पर

सोमवार को क्रिप्टो बाजार में आई जोरदार गिरावट के बीच सिर्फ टेथर क्वाइन ही बढ़त में दिखाई दिया। इसकी कीमत में 0.96 फीसदी या 0.80 रुपये की कमी आई और इसका दाम बढ़कर 84.6 रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा बाजार में कारोबार करने वाली लगभग सभी क्रिप्टोकरेंसी लाल निशान पर कारोबार करती हुईं नजर आई। गिरावट की बात करें तो ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है।

बिनांस से लेकर डॉजक्वाइन धराशायी

टॉप क्रिप्टोकरेंसी में शामिल बिनांस क्वाइन (बीएनबी) का दाम 12.49 फीसदी या 2,674 रुपये कम होकर 18,741 रुपये पर आ गया, जबकि काडानो में 11.41 फीसदी की कमी आई और यह फिसलकर 37.96 रुपये का रह गया। सोलाना का भाव 16 फीसदी टूटा, तो डॉजक्वाइन की कीमत में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा पोल्काडॉट के दाम में भी 13 फीसदी की कमी आई है। लाइटक्वाइन का भाव 14 फीसदी, तो वहीं शीबा इनु का भाव 12 फीसदी कम हो गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ऑयली हो या ड्राई, स्किन के लिए हल्दी के स्पैशल पैक्स

रसोई घर में मसाले के रुप में इस्तेमाल होने वाली हल्दी काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। हल्दी के इस्तेमाल से चेहरे पर ग्लो आता है और चेहरे से जुड़ी तमाम परेशानियां दूर होती हैं। यहां तक कि हल्दी का इस्तेमाल मार्किट में मिलने वाले ब्यूटी प्रोडक्ट्स यानि फेस पैक, साबु और क्रीमस में भी किया जाता है। मगर यदि आप डायरेक्ट तरीके से इसका इस्तेमाल कर इससे बने फेस पैक्स चेहरे पर लगाएंगी तो आपकी चेहरे से जुड़ी कई तरह की परेशानियां दूर होंगी। जैसे कि...

● **एक्ने स्किन**

2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, मिलाकर इसे चेहरे पर सूखने तक लगा रहने दें। इससे चेहरे का एक्ने और गंदगी निकल जाएगी। इसके निरंतर इस्तेमाल से चेहरे की रंगत भी निखर जाएगी।

● **झुर्रियों वाली स्किन**

चेहरे को झुर्रियों से बचाने के लिए एक चम्मच बेसन में 2 चुटकी हल्दी और कच्चा दूध मिलाकर हफ्ते में 2 से 3 बार चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे की झुर्रियां और दाग दोनों गायब हो जाएंगे।

● **डल स्किन**

चेहरे की रंगत निखारने के लिए एक चम्मच हल्दी में नींबू का रस और शहद डालकर पैक तैयार कर लें। इस पैक को रोजाना चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगाएं। पैक सूखने पर हल्के हाथों से रगड़कर उतारें। चेहरे पर जमी गंदगी चेहरे को रगड़ने से दूर हो जाएगी।

● **ऑयली स्किन**

ऑयली त्वचा की वजह से चेहरे पर मेकअप नहीं टिकता। इससे पीछा छुड़वाने के लिए बेसन और हल्दी का फेस पैक लगाने से पहले चेहरे पर बर्फ मलें। बर्फ आपके सारे एक्स्ट्रा ऑयल को खींच लेगी। बेसन हल्दी का पैक स्किन की नमी को बरकरार रख इसे चिपचिपा होने से बचाएगा।

● **सन टैन स्किन**

धूप में ज्यादा देर रहने से सन टैनिंग की समस्या हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आधा चम्मच हल्दी में 1 चम्मच टमाटर का रस और आधा चम्मच दही मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें। इस पैक का इस्तेमाल हफ्ते में 1 बार जरुर करें। अपनी स्किन टोन के हिसाब से आप हल्दी के ये डिफरेंट पैक्स लगा सकती हैं आपकी स्किन को इससे किसी तरह का कोई साइड इफैक्ट भी नहीं होगा!

बालों का झड़ने से रोकेगा Banan मास्क, पिंपल्स की भी होगी छुट्टी

केला खाना सिर्फ सेहत के लिए ही फायदेमंद नहीं होता बल्कि इससे आप अपनी ब्यूटी से जुड़ी कई समस्याएं भी दूर कर सकते हैं। जी हां, केले के बने मास्क ना सिर्फ आपकी पिंपल्स, झुर्रियां, झाइयां जैसी परेशानियों को दूर करते हैं बल्कि यह झड़ते बालों के लिए भी रामबाण इलाज है। आइए आज हम आपको केले से बने कुछ ऐसे मास्क के बारे में बताते हैं, जिससे आप अपनी ब्यूटी से जुड़ी कई प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकते हैं।

ग्लोइंग स्किन

1/2 केला और 1 चम्म च दूध मिक्स करके चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगा लीजिए। फिर इसे ताजे पानी से साफ कर लें। इसे लगाने के बाद आपका चेहरा ग्लोच करेगा और कोमल हो जाएगा।

● **मस्सों को दूर भगाएं**

मस्से, जिन्हें वार्ट्स की समस्या भी कहते है। अक्सर पैरों या हाथों में निकल आते हैं। इसे दूर करने के लिए केले के छिलके को केवल उस जगह पर रगड़ें और रातभर ऐसे ही छोड़ दें। फिर सुबह इसे पानी से साफ कर लें। रोजाना ऐसा करने से आप खुद फर्क देखेंगे।

● **झुर्रियां से छुटकारा**

1 पका हुए केले, 1 चम्मच शहद व जैतून तेल की 10 बूंदें अच्छी तरह से मिक्स करें। अब इस फेस पैक को चेहरे व गर्दन पर 15 मिनट लगाने के बाद ताजे पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम 2 बार इस पैक का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से चेहरे की झुर्रियां खत्म हो जाती हैं और चेहरा चमकने लगता है।

● **झाइयों का इलाज**

1/2 पका हुआ केला मैश करके चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 20-30 मिनट बाद ताजे पानी से धो लें। रोजाना इस पैक को लगाने से झाइयों की समस्या दूर होगी।

● **ब्लैनकहेड और डेड स्किसन**

बाउल में 1/2 कप ओट्स और 1 केला मिक्स करें। अब इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट तक छोड़ दें। उसके बाद इसे हल्के हाथों से पानी से मसाज करते हुए साफ कर लें। इससे ब्लै कहेड और डेड स्कि ान निकल जाएगी।

● **अच्छा मॉइश्चराइजर**

केला एक अच्छा मॉइश्चनराइजर भी है। घर पर केले का फेस पैक बनाने के लिए एक चौथाई पका हुआ केला लें और उसमें एक चम्मच शहद और आधा चम्मच दही मिला लें। इसे अच्छी तरह से मिक्से करके अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगाएं और बाद में धो लें।

● **फटी एडियां**

अगर आप फटी एडियों की समस्याम से परेशान है तो इसके लिए पैरों को गरम पानी में डाल कर प्यूआमिक स्टोमन से साफ करें। उसके बाद उसपर केले और नारियल तेल मिला पैक बनाकर लगा दें। कुछ देर बाद इसे धो लें।

● **झड़ते बालों से छुटकारा**

सबसे पहले बालों की लेंथ के हिसाब से केला मैश करें। फिर इसमें ०एवोकाडो पेस्ट मिलाएं और 2 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल मिक्स करें। पहले अपने बालों को अच्छी तरह से धोकर सुखाएं। फिर इस मास्क को बालों में अप्लाई करके शॉवर केप से कवर करें और 30 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें। इस मास्क को हफ्ते में 1 बार लगाएं।

● **बालों में लाए जान**

लगातार कलरिंग और कैमिकल्स से खराब हुए बालों को केले से ठीक किया जा सकता है। अगर आपके बाल बहुत रूखे हैं तो एक केले के गूदे में एक चम्मच ग्लिसरीन या शहद मिलाकर पैक बना कर अपने बालों में लगाएं और कुछ देर बाद धो लें।

● **नेचुरल कंडीशनर**

बालों को नैचुरल कंडीशनर करने के लिए 1 पके हुए केले में 1 टीस्पून शहद, 1 टेबलस्पून दही और 1 टीस्पून दूध मिक्स करके लगाएं। इससे बालों में चमक आती है और बालों को कंडीशनर की जरूरत नहीं होती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ईशा गुप्ता हुई रंगभेद का शिकार

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता बॉलीवुड इंडस्ट्री को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। ईशा गुप्ता ने बताया है कि अपने करियर की शुरूआत में वो बॉडी शेमिंग का शिकार हुई थीं। उन्हें रंगभेद का सामना करना पड़ा था। आपको बता दें, ईशा गुप्ता ने हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान कई बातों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि लोग आप में कई कमियां ढूंढ़ते हैं, फिर चाहे वो रंग हो या कद-काठी। ईशा गुप्ता ने इंटरव्यू में कहा, अपने करियर की शुरूआत में, मुझे अपनी नाक शार्प करने की सलाह दी गई थी। मुझे बताया गया कि, मेरी नाक गोल है। ईशा ने आगे ये भी बताया, बहुत साल पहले, लोगों ने मुझे फेयर स्किन के लिए इंजेक्शन लगवाने की सलाह भी दी थी। मैं भी कुछ समय के लिए बहक गई थी। जब मैंने पता किया तो मुझे मालूम हुआ कि इस तरह के एक इंजेक्शन की कीमत 9 हजार रुपये है। मैं उनका नाम नहीं लूंगी लेकिन आपको हमारी कई एक्ट्रेस गोरी स्किन वाली मिल जाएंगी। इस इंटरव्यू में ईशा गुप्ता ने आगे कहा, एक्ट्रेस के ऊपर खूबसूरत दिखने का बहुत ज्यादा प्रेशर होता है। मैं नहीं चाहती कि मेरी बेटी कभी भी एक्ट्रेस बने, वरना उसपर खूबसूरत दिखने का प्रेशर होगा। वो अपना जीवन सामान्य तौर पर नहीं जी पाएगी। मैं चाहती हूं कि वो एथलीट बने। इसमें उसे ज्यादा पढ़ना भी नहीं होगा।

दीपिका ने रणवीर की इन आदतों का किया खुलासा

बॉलीवुड की खूबसूरत जोड़ी रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण इस इंडस्ट्री के सबसे क्यूट और हॉट कपल्स में से एक हैं। आपको बता दें, एक इंटरव्यू के दौरान जब दीपिका पादुकोण से ये सवाल पूछा गया कि, आप और रणवीर सिंह एक-दूसरे से बेहद अलग हैं तो एक साथ कैसे मैनेज करते हैं? इसका जवाब देते हुए दीपिका पादुकोण ने रणवीर के बारे में खुलासा किया, बहुत कम लोग जानते हैं कि जब रणवीर मेरे साथ होते हैं तो वो शवासन मोड में होते हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि उनकी एनर्जी का क्या हुआ। तब वो जवाब देते है कि उन्हें एक प्रोग्राम में जाना है इसीलिए अपनी एनर्जी को रिजर्व कर रहे हैं। इसके अलावा दीपिका ने रणवीर के बारे में आगे एक खुलासा और किया कि हम एक दूसरे के साथ मजाक करते हैं, एक दूसरे के साथ खेलते हैं, एक साथ खाते हैं। कभी-कभी हमारे बीच सिर्फ सन्नाटा होता है। वो पहलू जिसके बारे में बहुत से लोग नहीं जानते हैं या जो अक्सर सामने नहीं आता है और वो है उसका विजडम। बता दें, एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने इंटरव्यू में आगे बताया कि रणवीर सिंह बहुत बुद्धिमान हैं और काफी क्रिएटिव भी।

रणबीर कपूर ने खोले अपने मैरिड लाइफ के सीक्रेट्स

बॉलीवुड के सवारियां कहे जाने वाले एक्टर रणबीर कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक चर्चा का विषय बने रहते हैं। शादी के बाद दोनों ही अपनी अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हो गए हैं। आलिया अपनी हॉलीवुड डेब्यू के लिए विदेश में फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं।वही ऐसे में अब रणबीर कपूर ने अपने मैरिड लाइफ के सीक्रेट्स शेयर किया हैं। जहां

रणबीर ने ये बताया हैं की शादी के बाद उनकी लाइफ में क्या बदलाव आए हैं। रणबीर ने बताया है कि आलिया भट्ट संग शादी करने के बाद उनकी लाइफ अब कैसी हो गई है। रणबीर ने कहा- ऐसे कोई बड़े चेंजेस नहीं आए हैं। हम पिछले 5 सालों से एक दूसरे के साथ हैं। हमारी शादी के अगले दिन ही हम दोनों ही काम पर निकल गए थे। आलिया अपने शूट पर चली गई थीं और मुझे भी मनाली जाना था। वही आलिया इन दिनों लंदन में अपनी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इसपर रणबीर ने आगे कहा- जब वो लंदन से वापस आ जाएंगी और मेरी फिल्म शमशेरा रिलीज हो जाएगी, तब हम वीक ऑफ लेने के बारे में सोच रहे हैं। हमें अभी भी ऐसा नहीं लगता है कि हमारी शादी हो गई है। दरअसल शादी के तुरंत बाद से ही दोनी हो कपल अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स को पूरा करने के लिए निकल गए थे। वही शादी के बाद अब फैंस बेसब्री से दोनों ही कपल को एक साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए देखना चाहते हैं।